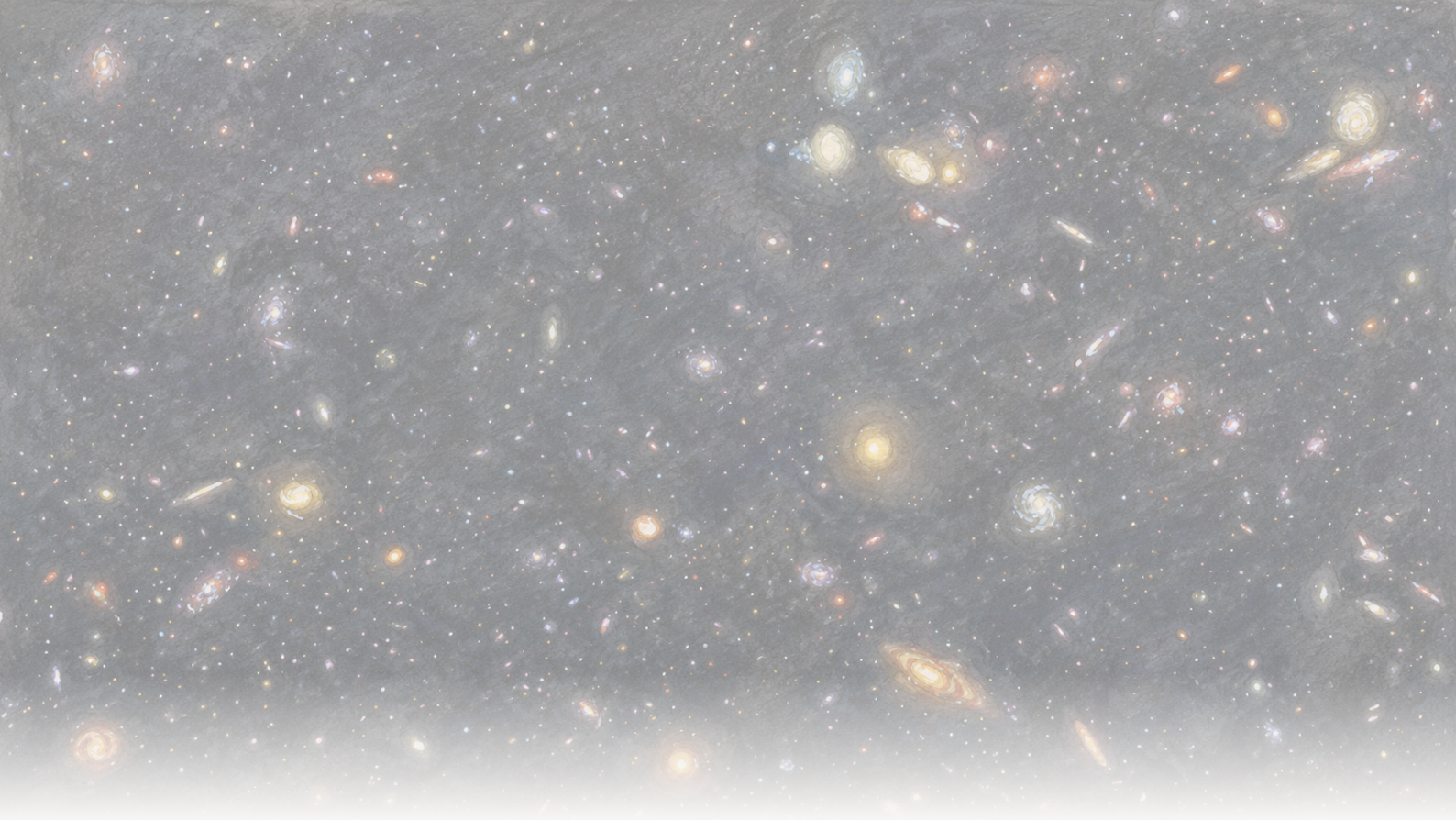

The Clean Paper

WHAT THE PAPER SAYS · WHAT IT DOESN'T · WHY IT MATTERS

अब तक की सबसे दूर की आकाशगंगा, जिसकी ionizing रोशनी सीधे बाहर निकलती पकड़ी गई

खगोलविदों ने JWST और Hubble की मदद से ऐसी एक आकाशगंगा से बाहर निकलती ionizing ultraviolet रोशनी पकड़ी जो cosmic reionization के लगभग 250 मिलियन वर्ष बाद की है — इस तरह का अब तक का सबसे दूर प्रत्यक्ष "leak"। 50–100% escape fraction वास्तव में विश्लेषण-परिणाम है, लेकिन इसे मॉडल से पुनर्निर्मित किया गया है, सीधे मापा नहीं। अधिक शांत लेकिन महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि पहली बार high-redshift पर उस संकेत-विधि की जाँच हुई है जिससे और दूर जाने पर, जब leak सीधे दिखाई नहीं देगा, उसे पहचाना जा सके।

Written by Vera Rubin · Cross-checked by Cinzia Vaglio and Lucio Vaglio · Edited by Michele Renda · Figures by Nova Vela · AI-assisted, human-reviewed

Paper: *MXDFz4.4: A LyC emitter 250 Myr after the epoch of reionization and a first test of Lyman-alpha morphology as a tracer of LyC escape at high redshift*, Ilias Goovaerts, Marc Rafelski, Alexander Beckett, Grecco Oyarzun, Annalisa Citro, Farhanul Hasan, Kalina V. Nedkova, Calum Hawcroft, Anton M. Koekemoer, Mitchell Revalski, Matthew J. Hayes, Claudia Scarlata, Ray A. Lucas, Norman A. Grogin, David V. Stark, Paolo Sun, Nor Pirzkal, and Louis-Gregory Strolger, The Astrophysical Journal (accepted, 2026) · DOI: 10.3847/1538-4357/ae75b0

वह रोशनी जिसने कोहरा हटाया

अपने पहले कई सौ मिलियन वर्ष तक ब्रह्मांड opaque था। स्पेस तटस्थ हाइड्रोजन से भरा था— ऐसे atoms जिनके electrons अभी जुड़े हुए थे — और तटस्थ हाइड्रोजन *आयनीकरणकारी* पराबैंगनी को बहुत अच्छी तरह अवशोषित करता है: 912 ångström (जिसे *Lyman सीमा* कहते हैं) से कम तरंगदैर्ध्य वाली वह प्रकाश जिसमें हाइड्रोजन atom से इलेक्ट्रॉन निकाल देने लायक ऊर्जा होती है। हर पराबैंगनी ऐसा नहीं करता— longer-तरंगदैर्ध्य पराबैंगनी उसी तरह अवशोषित नहीं होता, और शुरुआती आकाशगंगाएँ से हम उसका काफ़ी हिस्सा देखते हैं — इसलिए युवा ब्रह्मांड खास तौर पर इसी आयनीकरणकारी प्रकाश को रोकता था। फिर अगले लगभग billion वर्ष में किसी स्रोत ने cosmos में इतना आयनीकरणकारी प्रकाश भर दिया कि हाइड्रोजन से electrons फिर अलग हो गए, गैस ionized हुई और प्रकाश freely travel कर सकी। खगोलविद इसे epoch of पुनःआयनीकरण कहते हैं, और स्पष्ट suspects पहला आकाशगंगाएँ हैं: उनमें गरम, short-lived तारे बहुत आयनीकरणकारी पराबैंगनी बनाते हैं; यदि उसका पर्याप्त हिस्सा अंतरआकाशगंगीय स्पेस में एस्केप हुआ होता तो वही काम कर सकता था।

समस्या *escaped* शब्द है। आकाशगंगा की अधिकांश आयनीकरणकारी प्रकाश बाहर निकल ही नहीं पाती— वही हाइड्रोजन उसे आकाशगंगा के भीतर अवशोषित कर लेता है जिसे तारे ionize करने की कोशिश कर रहे होते हैं। केवल एक अंश स्पेस में रिसाव करता है, और यह *एस्केप अंश* पूरी कहानी की सबसे कठिन संख्या है। और पुनःआयनीकरण के दौरान leaked प्रकाश को पकड़ना लगभग असंभव है: अंतरआकाशगंगीय fog जिसे वह स्पष्ट कर रही है, हमारे पास पहुँचने से बहुत पहले उसे अवशोषित कर लेता है। इसलिए रिसाव अध्ययन करने के लिए खगोलविद को fog हटने के *just after* देखना पड़ता है, ऐसे आकाशगंगाएँ पर जो युग के sufficiently करीब होकर proxy बन सकें।

Ilias Goovaerts के नेतृत्व वाली टीम ने अब इस रिसाव को लगभग उतनी दूर पकड़ा है जितना सीधे कभी देखा गया। Hubble और JWST की गहरा इमेजिंग से वे एक एकल मंद आकाशगंगा— MXDFz4.4 — रिपोर्ट करते हैं, जिसकी निकलता आयनीकरणकारी पराबैंगनी एक Hubble filter में प्रकाश की smudge की तरह दिखाई देती है। आकाशगंगा रेडशिफ्ट 4.442 पर है, पुनःआयनीकरण समाप्त होने के लगभग 250 मिलियन वर्ष बाद: रिकॉर्ड पर सबसे दूरस्थ directly-detected “leaker”।

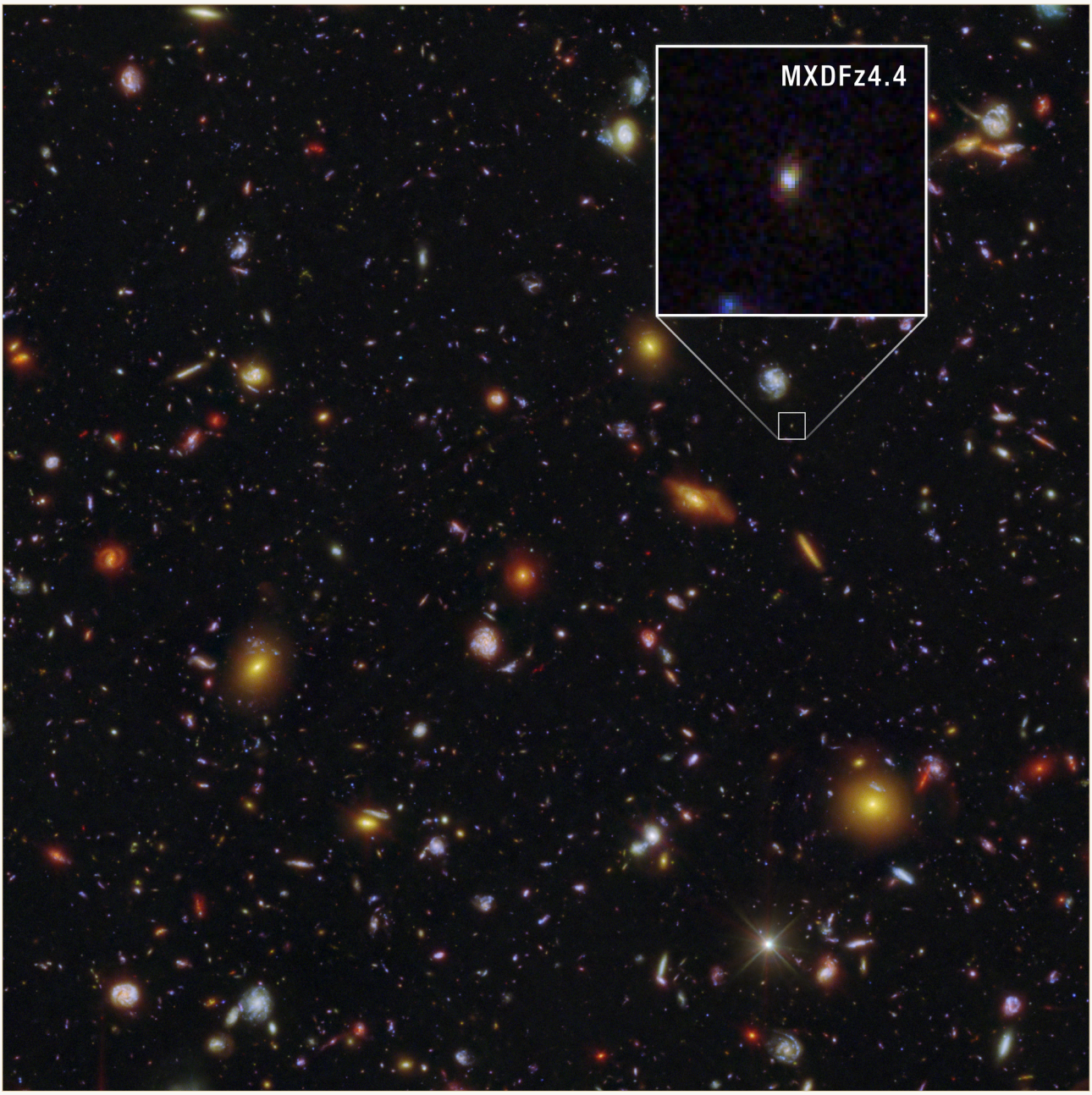

MXDFz4.4 (inset में enlarged) इस गहरा Hubble और JWST क्षेत्र में मंद smudge है — अब तक की सबसे दूर आकाशगंगा जिसमें आयनीकरण कारी पराबैंगनी सीधे रिसाव करते पकड़ा गया, ब्रह्मांडीय पुनः आयनीकरण समाप्त होने के लगभग 250 मिलियन वर्ष बाद।

NASA, ESA, CSA, STScI, Ilias Goovaerts (STScI), Marc Rafelski (STScI, JHU), Anton Koekemoer (STScI); Image Processing: Alyssa Pagan (STScI) CC BY 4.0

शोधपत्र से सबसे ज्यादा बाहर जाने वाली संख्या एस्केप अंश होगी, और वह उच्च है — आकाशगंगा की आयनीकरण कारी प्रकाश का आधा से लगभग पूरा हिस्सा। यह संख्या वास्तविक है, लेकिन "वास्तविक" का मतलब सावधानी से समझना चाहिए। इसे छवि से सीधे माप नहीं किया गया, मॉडल की श्रृंखला से पुनर्निर्मित किया गया है, और सीमाई मानदार कारण से व्यापक है। उपयोगी कहानी के दो हिस्से हैं: एकल caught रिसाव हमें क्या बता सकती है और क्या नहीं, और quieter दूसरा परिणाम — इतनी दूर पहली बार रिसाव को indirectly पहचानने का तरीका प्रत्यक्ष पहचान के खिलाफ परीक्षण करना, उस दिन के लिए जब प्रत्यक्ष तरीका काम ही नहीं करेगा।

“escape fraction” क्या है, और यह इतनी slippery क्यों है

तारे — खासकर सबसे बड़े, गरम और युवा— इतना energetic परबैंगनी देते हैं कि हाइड्रोजन atoms से electrons निकाल सके। खगोलविद इसे आयनीकरणकारी radiation कहते हैं, और विशिष्ट wavelengths पर *Lyman-continuum* प्रकाश। यह पुनःआयनीकरण की currency है: ब्रह्मांड transparent तब हुआ जब पर्याप्त ऐसे फोटॉन अंतरआकाशगंगीय हाइड्रोजन को ionized रखने के लिए खुलकर निकल सके।

लेकिन आकाशगंगा भी हाइड्रोजन से भरी होती है। आकाशगंगा द्वारा बनाई आयनीकरणकारी प्रकाश का बहुत हिस्सा बाहर जाने से पहले ही अवशोषित हो जाता है — अपनी आकाशगंगा की गैस ionize करने में खर्च। *एस्केप अंश* वह हिस्सा है जो अंतरआकाशगंगीय स्पेस में निकलता है, जहाँ वह wider ब्रह्मांड को reionize करने में वास्तव में मदद कर सकता है। यही पूरे सवाल का crux है और इसे मापना दो वजह से कठिन है।

पहला, पुनःआयनीकरण के दौरान अंतरआकाशगंगीय मध्यम तटस्थ हाइड्रोजन से भरा है, जो ठीक उसी प्रकाश को अवशोषित करता है जिसे आप पहचानना चाहते हैं — इसलिए leaked प्रकाश अक्सर हम तक पहुँचती ही नहीं। दूसरा, जब कुछ प्रकाश देख भी सकते हैं (युग के just after, unusually स्पष्ट sightline पर), पहचान को एस्केप अंश में बदलने के लिए देखा गया प्रकाश को उस प्रकाश से divide करना पड़ता है जो आकाशगंगा ने पैदा की— और वह produced प्रकाश भी सीधे नहीं दिखती। उसे आकाशगंगा की दूसरी प्रकाश, अनुमानित तारा-formation इतिहास और तारे के मान्यताएँ से मॉडल करना पड़ता है।

इसीलिए एस्केप fractions व्यापक त्रुटि bars के साथ आती हैं, और जब अंतरआकाशगंगीय अवशोषण भी मॉडल करना हो तो समान पहचान व्यापक सीमा समर्थन कर सकती है। संख्या reconstruction है, पढ़ना नहीं।

लेखकों ने क्या किया

- VLT के MUSE उपकरण की गहरा स्पेक्ट्रोस्कोपी से आकाशगंगा दूरी confirm की, एक emission रेखा— Lyman-alpha — मिली जिसकी उच्च-redshift रेखा जैसी lopsided profile थी, रेडशिफ्ट z = 4.442 सुधार हुआ। संयोग foreground alignment की odds 0.0076% अनुमान की।
- गहरा Hubble F435W छवि में निकलता आयनीकरणकारी (Lyman-continuum) प्रकाश पहचानना की— इस रेडशिफ्ट पर filter केवल below-912-ångström प्रकाश देखता है जो “escaped” count होती है। पहचान 5.2–5.3σ पर है (sigma संकेत अपेक्षित शोर से कितना ऊपर है; 5σ strict सांख्यिकीय सीमा है, व्याख्यासत्य होने का प्रमाण नहीं— मार्गदर्शिका); इसे मिलियन empty sky patches की फ्लक्स से cross-check किया गया ताकि शोर न हो।
- इस दावा का classic trap नियम out किया— “निकलता” प्रकाश असल में संयोग से सामने बैठी कम-redshift आकाशगंगा हो— स्रोत की resolved आकार और मंद neighbour की विशेष रूप से बनाया गया de-blending से।
- पूरा Hubble-plus-JWST colours को फिट करके आकाशगंगा के तारे मॉडल किए (CIGALE कोड और कई stellar-population मॉडल), जो कुछ मिलियन वर्ष पहले recent burst of तारा-निर्माण की ओर इशारा करते हैं।
- 10,000 सिम्युलेटेड sightlines पर मॉडल किया कि अंतरआकाशगंगीय मध्यम रास्ते में कितनी आयनीकरणकारी प्रकाश अवशोषित करता, फिर सब जोड़ना करके एस्केप अंश derive की।
- इतनी दूर पहली बार एस्केप indirectly spot करने का तरीका— Lyman-alpha रेखा की आकार और extent (“halo अंश”) — प्रत्यक्ष पहचान के against परीक्षण किया।

उन्हें क्या मिला

- अब तक का most दूरस्थ directly-detected Lyman-continuum emitter, z = 4.442 पर।

- निकलता आयनीकरणकारी प्रकाश की खुद की वास्तविक पहचान — अनुमान नहीं, छवि में 5.2–5.3σ संकेत।
- 50–100% सीमा में उच्च एस्केप अंश, मान्यताएँ पर निर्भर — बड़ा लेकिन मॉडल-dependent। (एक अलग *सापेक्ष* अनुमान 100% से भी ऊपर जाता है। यह definition की quirk है — dust सही किए बिना निकलता आयनीकरणकारी प्रकाश की आकाशगंगा पर बैंगनी से तुलना करता है — तारे के actual production से अधिक प्रकाश एस्केप होने का संकेत नहीं।)
- Fitted starlight से सक्रिय कि recent तारा-formation burst आयनीकरणकारी प्रकाश की production और एस्केप दोनों drive कर रहा है।
- लेखकों के शब्दों में, उच्च रेडशिफ्ट पर Lyman-alpha रेखा आकार को एस्केप ट्रेसर की तरह इस्तेमाल करने के लिए "cautious समर्थन"।

यह क्या साबित नहीं करता

- यह "वे आकाशगंगाएँ जिन्होंने ब्रह्मांड reionize किया" **identify नहीं** करता। यह एक आकाशगंगा है, और पुनर्आयनीकरण खत्म होने के लगभग 250 मिलियन वर्ष *बाद* की, दौरान की नहीं। यह युग की ओर stepping-stone है, घटना की तस्वीर नहीं।
- एस्केप अंश **मापा नहीं** है। देखा गया प्रकाश को *modelled* produced-light अनुमान से divide करके और फिर *modelled* अंतरआकाशगंगीय अवशोषण सही करके पुनर्निर्माण की गई — और लेखक जान बूझकर favourable sightline अपनाते हैं क्योंकि जिसकी leaked प्रकाश हम तक पहुँचे, वह clear-than-average दिशा पर होना ही चाहिए। व्यापक सीमा (50–100%, सापेक्ष terms में अधिक) उसी मॉडल-dependence की ईमानदार signature है।
- यह नया Lyman-alpha ट्रेसर validate **नहीं** करता। एकल वस्तु से "cautious समर्थन" पहला परीक्षण है, पुष्टि नहीं।
- अपने आप यह settle **नहीं** करता कि bursty तारा निर्माण ने पुनर्आयनीकरण drive किया। यह एक आकाशगंगा + ट्रेसर विश्लेषण पर बनी reasonable व्याख्या है, demonstrated law नहीं।

सबूत कितने मजबूत हैं

- **मजबूत** जहाँ प्रत्यक्ष है: रेडशिफ्ट (distinctive Lyman-alpha रेखा, foreground दूषण संयोग 0.0076%) और निकलता प्रकाश पहचान (5.2–5.3σ, मिलियन empty apertures से जाँच; foreground-interloper trap carefully closed)।
- **और कमजोर, और openly so**, जहाँ modelled है: एस्केप अंश का *मान* (stellar मॉडल और chosen अंतरआकाशगंगीय sightline पर), पुनर्आयनीकरण "महत्त्व" (एक वस्तु + व्याख्या), और नया ट्रेसर (पहला cautious परीक्षण)।
- शोधपत्र की honesty ranges में है। एकल संख्याएँ की बजाय spans रिपोर्ट करता है, ट्रेसर समर्थन को "cautious" कहता है और अपनी ही अंतरआकाशगंगीय संचरण अनुमान में से एक पर भरोसा करने से इनकार करता है। यह सावधान शोधपत्र है जो खुद over-sell नहीं करता, hype जोखिम बाहर है।

यह क्यों मायने रखता है

निकलता आयनीकरणकारी प्रकाश की प्रत्यक्ष detections अब पुनर्आयनीकरण युग के लगभग उतने करीब पहुँचा दी गई हैं जितना संभव है — उस edge तक जहाँ प्रकाश अभी मुश्किल से निकलकर हमारे पास आती है। यह अपने आप में valuable है। लेकिन quieter परिणाम अधिक मायने रख सकता है: पुनर्आयनीकरण के *अंदर* प्रत्यक्ष विधि पूरी तरह विफल होना हो

जाता है, और सब कुछ nearer, easier आकाशगंगाएँ पर calibrated अप्रत्यक्ष tracers पर टिकेगा। यहाँ ट्रेसर को परीक्षण करना, जहाँ अभी वास्तविक पहचान से जाँच किया जा सकता है, बाद में उस पर भरोसा करने का आधार बनता है जहाँ जाँच संभव नहीं होगा। MXDFz4.4 की मात्रा "हमने ब्रह्मांड reionize करने वाली आकाशगंगा पाई" से कम और "हम रसिद्ध पढ़ना सीख रहे हैं, और अंधेरे में इस्तेमाल होने वाले उपकरण को अभी रोशनी में जाँच कर रहे हैं" से अधिक है।

साफ़ सारांश

Hubble और JWST से खगोलविद ने रेडशिफ्ट 4.442 पर एक आकाशगंगा से निकलता आयनीकरण की परछाईं गिनी सीधे पहचाना की— अब तक ऐसी सबसे दूरस्थ पहचान, ब्रह्मांडीय पुनआयनीकरण खत्म होने के लगभग 250 मिलियन वर्ष बाद। पहचान खुद ठोस है। Widely quoted 50–100% एस्केप अंश मापा नहीं बल्कि पुनर्निर्माण की गई है, आकाशगंगा तारे और जानबूझकर favourable sightline पर अंतरआकाशगंगीय अवशोषण के मॉडल से; इसी कारण सीमा व्यापक है। पहचान के साथ टीम ने निकलता प्रकाश spot करने के अप्रत्यक्ष तरीके — Lyman-alpha रेखा आकार — का पहला उच्च-redshift परीक्षण किया और "cautious समर्थन" पाया। यह सावधान single-object परिणाम है: रसिद्ध की वास्तविक catch, उससे जुड़ी honestly अनिश्चित संख्या और उन उपकरण की दिशा में पहला चरण जिनकी जरूरत तब होगी जब रसिद्ध प्रत्यक्ष दिखाई हीन नहीं देगी।

बिना बढ़ा-चढ़ाकर जाँच

शोधपत्र क्या दिखाता है: z = 4.442 आकाशगंगा से निकलता आयनीकरण की (Lyman-continuum) प्रकाश की प्रत्यक्ष 5.2–5.3σ पहचान — अब तक highest-redshift ऐसी पहचान — foreground-दूषण trap carefully ruled out।

क्या संभावित है लेकिन सिद्ध नहीं आकाशगंगा का एस्केप अंश 50–100% है। पहचान वास्तविक है; अंश stellar-population और intergalactic-absorption मॉडल (favourable sightline पर) से पुनर्निर्माण की गई है, इसलिए सीमा व्यापक है। यह भी plausible-but-unproven कि Lyman-alpha रेखा आकार इतनी दूर एस्केप ट्रेसर काम करती है — शोधपत्र एक वस्तु से "cautious समर्थन" देता है।

यह क्या नहीं दिखाता कि यह आकाशगंगा "जिसने ब्रह्मांड reionize किया" (युग के बाद है, एक वस्तु), या bursty तारा निर्माण ने पुनआयनीकरण drive किया (व्याख्या प्रदर्शन नहीं)।

मुख्य सीमाएँ: नमूना of एक; मॉडल विकल्प और जानबूझकर स्पष्ट sightline पर dependent एस्केप अंश; नया ट्रेसर का पहला cautious परीक्षण; और युग के इतना पास निकलता आयनीकरण की प्रकाश अध्ययन करने की inherent difficulty जहाँ वह invisible हो जाती है।

सामान्य पाठक को कितना विश्वास रखना चाहिए? उच्च कि निकलता प्रकाश सच में पहचाना हुई और यह सबसे दूरस्थ ऐसी catch है। सटीक एस्केप अंश पर काम-to-moderate — "50–100%" को modelled सीमा समझें, मापा नहीं। नया ट्रेसर पर मध्यम: आशाजनक पहला जाँच, तय उपकरण नहीं।

प्रकाशन के बाद के अपडेट

- **सुधार** · 2026-07-28

शोधपत्र के लेखक Ilias Goovaerts की प्रतिक्रिया के बाद लेख अब शुरुआत से समझाए ultraviolet के बजाय विशेष रूप से ionizing light की बात करता है। हमने स्पष्ट किया कि केवल 912-ångström Lyman limit से छोटी तरंगदैर्घ्य वाली ultraviolet रोशनी ionizing है; लंबी तरंगदैर्घ्य वाली ultraviolet non-ionizing है और high-redshift आकाशगंगाओं से नियमित रूप से देखी जाती है।

स्रोत

Goovaerts et al., arXiv:2603.04517 (accepted in The Astrophysical Journal)
https://arxiv.org/abs/2603.04517

The Astrophysical Journal (2026), DOI 10.3847/1538-4357/ae75b0
https://doi.org/10.3847/1538-4357/ae75b0